

श्रीअन्नपूर्णास्तोत्रम् ॥}Andtitles

{॥ श्रीअन्नपूर्णास्तोत्रम् ॥}

नित्यानन्दकरी वराभयकरी सौन्दर्यरत्नाकरी
निर्धृताखिलघोरपावनकरी प्रत्यक्षमाहेश्वरी ।
प्रालेयाचलवंशपावनकरी काशीपुराधीश्वरी
भिष्माङ्ग देहि कृपाबलम्बनकरी माताहन्नपूर्नेश्वरी ॥ १ ॥

नानारत्नविचित्रभूषणकरी हेमाम्बराडम्बरी
मुक्ताहारविलम्बमान विलसत् वम्बोजकुम्भान्तरी ।
काश्मीरागरुवासिता रुचिकरी काशीपुराधीश्वरी
भिष्माङ्ग देहि कृपाबलम्बनकरी माताहन्नपूर्नेश्वरी ॥ २ ॥

योगानन्दकरी रिपुम्बयकरी धर्मार्थनिष्ठाकरी
चन्द्रार्कानलभासमानलहरी त्रैलोक्यरम्भाकरी ।
सर्वैश्वर्यसमस्तवाञ्छितकरी काशीपुराधीश्वरी
भिष्माङ्ग देहि कृपाबलम्बनकरी माताहन्नपूर्नेश्वरी ॥ ३ ॥

कैलासाचलकन्दरालयकरी गौरी उमा शङ्करिणी
कौमारी निगमार्थगोचरकरी ओङ्कारबीजाम्बरी ।
मोक्षद्वारकपाटपाटनकरी काशीपुराधीश्वरी
भिष्माङ्ग देहि कृपाबलम्बनकरी माताहन्नपूर्नेश्वरी ॥ ४ ॥

दृश्यादृश्य विभूतिवाहनकरी ब्रह्माण्डाण्डोदरी
लीलानाटकसूत्रभेदनकरी विज्ञानदीपाङ्कुरी ।
श्रीविश्वेशमनः प्रसादनकरी काशीपुराधीश्वरी
भिष्माङ्ग देहि कृपाबलम्बनकरी माताहृन्नपूरुणेश्वरी ॥ ५ ॥

उर्वी सर्वजनेश्वरी भगवती माताहृन्नपूरुणेश्वरी
वेणीनीलसमानकुण्डलधरी नित्यान्नदानेश्वरी ।
सर्वानन्दकरी सदाशुभकरी काशीपुराधीश्वरी
भिष्माङ्ग देहि कृपाबलम्बनकरी माताहृन्नपूरुणेश्वरी ॥ ६ ॥

आदिष्माङ्गसमस्तवर्णनकरी शशुभ्रिभाविकरी
काश्मीरा त्रिजलेश्वरी त्रिलहरी नित्याङ्कुरा शर्वरी ।
कामाकाङ्क्षकरी जनोदयकरी काशीपुराधीश्वरी
भिष्माङ्ग देहि कृपाबलम्बनकरी माताहृन्नपूरुणेश्वरी ॥ ७ ॥

देवी सर्वविचित्ररत्नरचिता दाम्कायणी सुन्दरी
वामे स्वाहृपयोधरा प्रियकरी सौभाग्य माहेश्वरी ।
भङ्गातीष्ठकरी सदाशुभकरी काशीपुराधीश्वरी
भिष्माङ्ग देहि कृपाबलम्बनकरी माताहृन्नपूरुणेश्वरी ॥ ८ ॥

चन्द्रार्कानलकोटिकोटिसदृशा चन्द्राङ्गुविम्बाधरी
चन्द्रार्कान्निसमानकुण्डलधरी चन्द्रार्कवर्णेश्वरी ।

मालापुस्तकपाशसाङ्कुशधरी काशीपुराधीश्वरी
भिष्माङ्ग देहि कृपाबलम्बनकरी माताहृन्नपूर्णेश्वरी ॥ ९ ॥

म्हत्राणकरी महाहृत्तयकरी माता कृपासागरी
साम्फान्मोम्हकरी सदा शिवकरी विश्वेश्वरी श्रीधरी ।
दम्हक्रन्दकरी निरामयकरी काशीपुराधीश्वरी
भिष्माङ्ग देहि कृपाबलम्बनकरी माताहृन्नपूर्णेश्वरी ॥ १० ॥

अन्नपूर्णे सदापूर्णे शङ्करप्राणवल्लभे ।
ज्ञानवैराग्यासिद्ध्यर्थं भिष्माङ्ग देहि च पार्वति ॥ ११ ॥

माता मे पार्वती देवी पिता देवो महेश्वरः ।
बान्धवाः शिवभक्त्याश्च स्वदेशो भुवनत्रयम् ॥ १२ ॥

॥ इति श्रीशङ्करभगवतः कृतौ अन्नपूर्णास्तोत्रं सम्पूर्णम् ॥

There are multiple variations of this popular stotra .

The more common version is given above.

Encoded by Kapila Shankaran

and Sunder Hattangadi sunderh at hotmail.com

Please send corrections to sanskrit@cheerful.com

Last updated त्oday

<http://sanskritdocuments.org>

Annapurna Ashtakam Lyrics in Bengali PDF

% File name : annapurna.itx

% Category : stotra

% Location : doc_devii

% Author : Vedic tradition

% Language : Sanskrit

% Subject : philosophy/hinduism/

% Transliterated by : Sunder Hattangadi (sunderh at hotmail.com)

% Proofread by : Sunder Hattangadi (sunderh at hotmail.com)

% Latest update : August 9, 2000

% Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

% Site access : <http://sanskritdocuments.org>

%

% This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study

% and research. The file is not to be copied or reposted for promotion of

% any website or individuals or for commercial purpose without permission.

% Please help to maintain respect for volunteer spirit.

%

We acknowledge well-meaning volunteers for Sanskritdocuments.org and other sites to have built the collection of Sanskrit texts.

Please check their sites later for improved versions of the texts.

This file should strictly be kept for personal use.

PDF file is generated [October 12, 2015] at Stotram Website